International Journal of Education, Modern Management, Applied Science & Social Science (IJEMMASSS)
ISSN : 2581-9925, Impact Factor: 6.882, Volume 04, No. 04(II), October - December, 2022, pp. 43-54

सवाई माधोपुर जिले का जनांकिकीय विकास

इरफान खान*
डॉ. अजय विक्रम सिंह चंदेल**

सार

संसाधनों के अनुकूलतम उपयोग के द्वारा क्षेत्र की जनसंख्या के कल्याण एवं उन्नति के मूल उद्देश्य की प्राप्ति बहुआयामी विकास की प्रक्रिया है। जनसंख्या वृद्धि और संसाधन अक्सर घनिष्ठ संबंधों में पर्यावरण के साथ सभी पैमाने और स्तरों पर जिले के सूक्ष्म क्षेत्रों को सम्मिलित करते हुए जुड़े होते हैं। यह अध्ययन जिले में जनसंख्या वृद्धि की प्रवृत्ति के विश्लेषण का एक प्रयत्न है।

शब्दकोशः *जनसंख्या वृद्धि, जनसंख्या घनत्व, लिंगानुपात, साक्षरता।*

प्रस्तावना

सन 2011 की जनगणना के अनुसार विश्व की जनसंख्या 7 अरब तथा भारत की 1.21 अरब है अनुमान से 2050 तक क्रमश : 10.6 तथा 1.5 अरब हो जाएगी । वर्तमान में भारत की 72.2 प्रतिशत जनसंख्या ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है।

भारतीय अर्थव्यवस्था मूल रूप से कृषि पर आधारित हैं परंतु अधिकांश किसानों के पास एक एकड़ से भी छोटी जोते हैं। उनके पास धन की कमी , सिंचाई की सुविधाओं का अभाव तथा खेतों के छोटे टुकड़ों के कारण उनकी स्थिति बहुत ही दयनीय हैं ।

गरीबी के कारण ग्रामीण नगरीय प्रवास में अनियंत्रित नगरीकरण के फल स्वरुप संसाधनों पर बहुत अधिक दबाव हो गया है । छोटे नगर बड़े नगर केंद्र ,बड़े शहरों मेट्रो शहरों व मेगा शहरों में बदलते जा रहे हैं। परिणामतः आर्थिक ,मूलभूत, नैतिक, सामाजिक समस्याएं दिन प्रतिदिन गहन होती जा रही है ।

जनसंख्या गुणोत्तर श्रेणी में बढ़ रही है जबकि भूमि आज भी उतनी ही है। माल्थस के अनुसार जनसंख्या गुणोत्तर श्रेणी जबकि संसाधन गणित के अनुसार बढ़ते हैं।

---

* शोधार्थी (भूगोल) कोटा वि.वि. कोटा. राजस्थान।
** सह आचार्य, भूगोल विभाग, रा. कला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोटा, राजस्थान।

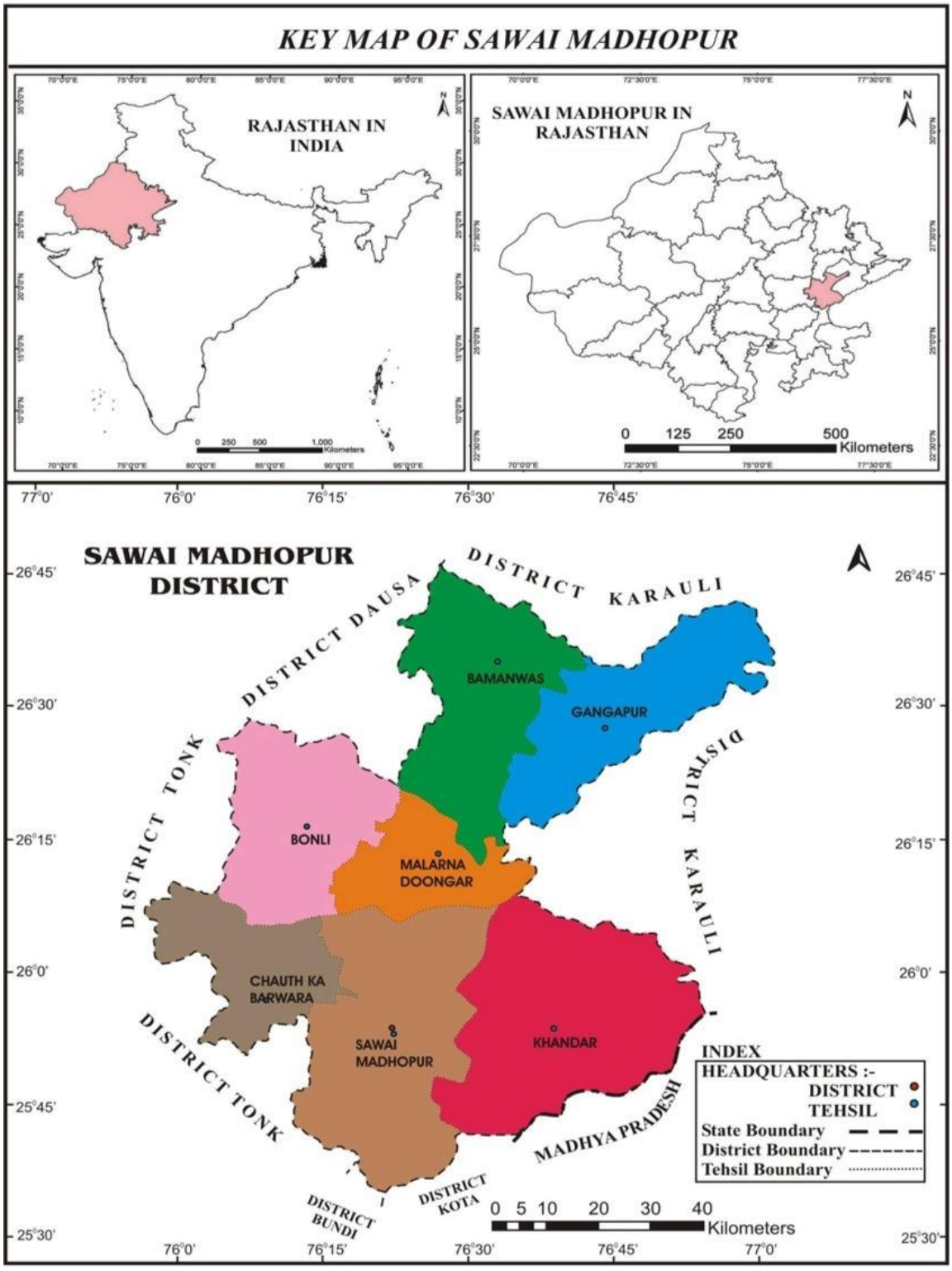
KEY MAP OF SAWAI MADHOPUR
RAJASTHAN IN INDIA
SAWAI MADHOPUR IN RAJASTHAN
0 125 250 500 Kilometers
SAWAI MADHOPUR DISTRICT
DISTRICT DAUSA
DISTRICT KARAULI
DISTRICT TONK
DISTRICT KARAULI
DISTRICT TONK
MADHYA PRADESH
DISTRICT BUNDI
DISTRICT KOTA
BAMANWAS
GANGAPUR
BONLI
MALARNA DOONGAR
CHAUTH KA BARWARA
SAWAI MADHOPUR
KHANDAR
INDEX
HEADQUARTERS :-
DISTRICT
TEHSIL
State Boundary
District Boundary
Tehsil Boundary
0 5 10 20 30 40 Kilometers
77°0'
76°0'
76°15'
76°30'
76°45'
26°45'
26°30'
26°15'
26°0'
25°45'
25°30'

अध्ययन क्षेत्र

राजस्थान का चेरापूंजी सवाई माधोपुर जिला राज्य के दक्षिण पूर्व में 25 डिग्री 45 मिनट उत्तर से 26 डिग्री 41 मिनट उत्तरी अक्षांश एवं 75 डिग्री 59 मिनट पूर्व से 77 डिग्री 0 मिनट पूर्वी देशांतर के मध्य समुद्र तल से 300 – 600 मीटर ऊंचाई पर स्थित है। जिले की संपूर्ण सीमा स्थलीय है जो कि उत्तर पश्चिम में जयपुर, उत्तर पूर्व में धौलपुर ,पूर्व में करौली ,दक्षिण में कोटा, दक्षिण पश्चिम में बूंदी तथा टोंक जिलों से मिलती है । सवाई माधोपुर जिले का क्षेत्रफल 10527 वर्ग किलोमीटर है, जो राजस्थान के 2.48 प्रतिशत भाग पर फैला है वर्तमान जिले में चार उपखंड है 7 तहसील 6 पंचायत समितियां हैं ।

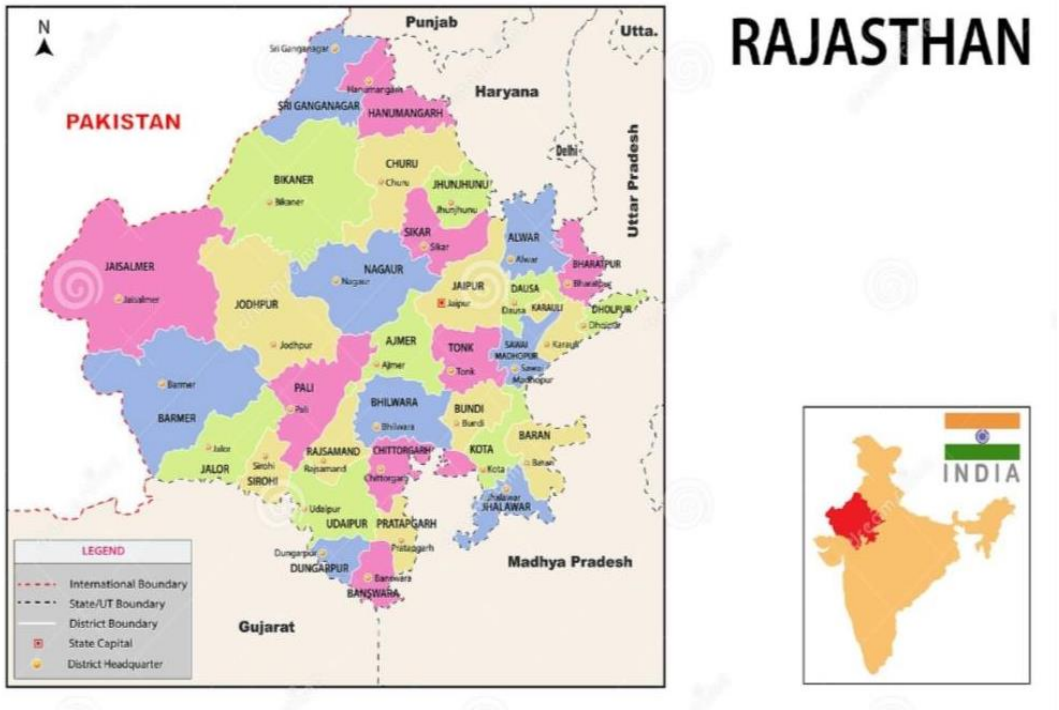

विधि तंत्र

जनसंख्या वृद्धि– जन्म तथा मृत्यु दर में अंतर को जनसंख्या वृद्धि कहते हैं। उन क्षेत्रों में जहां उत्प्रवास और आप्रवास संभव है वहां यह कारक भी जनसंख्या वृद्धि को प्रभावित करते हैं। उत्प्रवास और आप्रवास क्षेत्र के सापेक्ष विकास द्वारा निर्धारित होते हैं।

जनसंख्या का उच्च घनत्व, आवास, उपलब्धता, पेयजल, विधुत , स्वास्थ्य सेवाएं , यातायात पर भार आदि वित्तीय समस्याएं उत्पन्न करता है। साथ ही अपराध, सांस्कृतिक प्रदूषण, सामाजिक मूल्य, हास की वृद्धि में भी योगदान देता है । जिले में 1911 से 2021 के दशक में असमान प्रवृतियां परिलक्षित होती है । जबकि 1951 से 2011 के मध्य तीव्र वृद्धि हुई है परंतु वृद्धि दर में उतार–चढ़ाव सम्पूर्ण शताब्दी में बना हुआ है

जनसंख्या वृद्धि वर्ष (1901 से 2011)

क्रम संख्या	जनगणना वर्ष	जनसंख्या	एक दशक में जुड़े व्यक्ति
1	1901	227815	–
2	1911	244606	16791
3	1921	224359	–20247

4	1931	293340	68981
5	1941	381963	88623
6	1951	519977	138014
7	1961	754776	234799
8	1971	847729	92953
9	1981	860366	12637
10	1991	929207	68841
11	2001	1181670	252463
12	2011	1335551	153881

जनसंख्या वितरण

जनसंख्या वितरणः जिले में 2011 की जनगणना के अनुसार 1335551 जनसंख्या है, जो 4498 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र पर विस्तृत है जिले में राज्य की 1.92 प्रतिशत जनसंख्या निवास करती है। जिसमें 704031 पुरुष तथा 631520 स्त्रियां थी। जिले की कुल जनसंख्या में से 80.04 व्यक्ति गांव में रहते हैं जबकि मात्र 19.24 व्यक्ति नगरीय केंद्रों में निवास करते है। जिले की 80.06 आबादी ग्रामीण है। इससे यह स्पष्ट होता है कि जिले में ग्रामीण जनसंख्या का बाहुल्य है जिले की जनगणना वर्षों से जनसंख्या वृद्धि का अध्ययन किया जा सकता है कि, जिले की जनसंख्या वृद्धि की दर में कब कमी आई, कब वृद्धि हुई जिसे तालिका के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है।

सवाईमाधोपुर जिले की जनसंख्या 2001–2011

क्रम संख्या	तहसील	जनसंख्या 2001	जनसंख्या 2011
1	गंगापुर सिटी	284605	346614
2	बामनवास	149429	171648
3	मलारना डूंगर	89794	105732
4	बोंली	120039	142741
5	चौथ का बरवाड़ा	84153	97500
6	सवाई माधोपुर	278641	334877
7	खंडार	110396	136439
	योग	1117057	1335551

स्रोत :– सांख्यिकी रूपरेखा वर्ष 2016 आर्थिक व सांख्यिकी निदेशालय राजस्थान जयपुर ,पृष्ठ संख्या 6

जनसंख्या घनत्व

जनसंख्या घनत्व जल की उपलब्धता, मृदा की उर्वरता, धरातल विन्यास तथा जलवायु की परिस्थितियां आदि द्वारा नियंत्रित होता है जनसंख्या अध्ययन आर्थिक सामाजिक विकास की प्रक्रिया को समझने में सहायता करता है जनसंख्या का स्थानीय वितरण परिवहन सुविधाओं औद्योगिक प्रगति और रोजगार अवसरों द्वारा भी प्रभावित होता हैं।

सवाई माधोपुर में वर्ष 2001 में जनघनत्व 248 प्रति वर्ग किलोमीटर था जो 2011 में बढ़कर 297 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर हो गया इस दशक में 49 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर घनत्व में वृद्धि हुई है।

गणितीय घनत्व

गणितीय घनत्व का तात्पर्य कुल भौगोलिक क्षेत्र पर प्रति वर्ग किलोमीटर औसत जनसंख्या से हें 2011 की जनसंख्या के औसत आधार पर जिले का जनसंख्या घनत्व 297 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर है, जो कि राज्य स्तर पर 13 वें स्थान पर है।

ग्रामीण क्षेत्रों में जनसंख्या घनत्व मात्र 215 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर जबकि नगरी केंद्रों में यह 3539 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर है जो की ग्रामीण जनसंख्या घनत्व से 16 गुना अधिक है।

ग्रामीण घनत्व

जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में तहसील गंगापुर सिटी में ग्रामीण जनसंख्या घनत्व सर्वाधिक 342 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर जबकि सबसे कम खंडार तहसील का 142 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर है जो कि जिले के औसत से 123 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर कम है।

सवाई माधोपुर की विभिन्न तहसीलों का जनसंख्या घनत्व में 2001 से 2011 में कितना अंतर आया है यह तालिका द्वारा स्पष्ट है।

तहसील अनुसार जनसंख्या घनत्व 2001 से 2011

क्रम सं.	तहसील	जनसंख्या घनत्व व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर		
		जनसंख्या घनत्व2001	जनसंख्या घनत्व 2011	अंतर
1	गंगापुर सिटी	442	538	96
2	बामनवास	205	235	30
3	मलारना डूंगर	230	271	41
4	बोंली	192	228	36
5	चौथ का बरवाड़ा	161	186	25
6	सवाई माधोपुर	248	297	49
7	खंडार	115	142	27
	जिला सवाईमाधोपुर	248	297	49

स्रोतः– जनगणना जिला सांख्यिकी रूपरेखा 2016

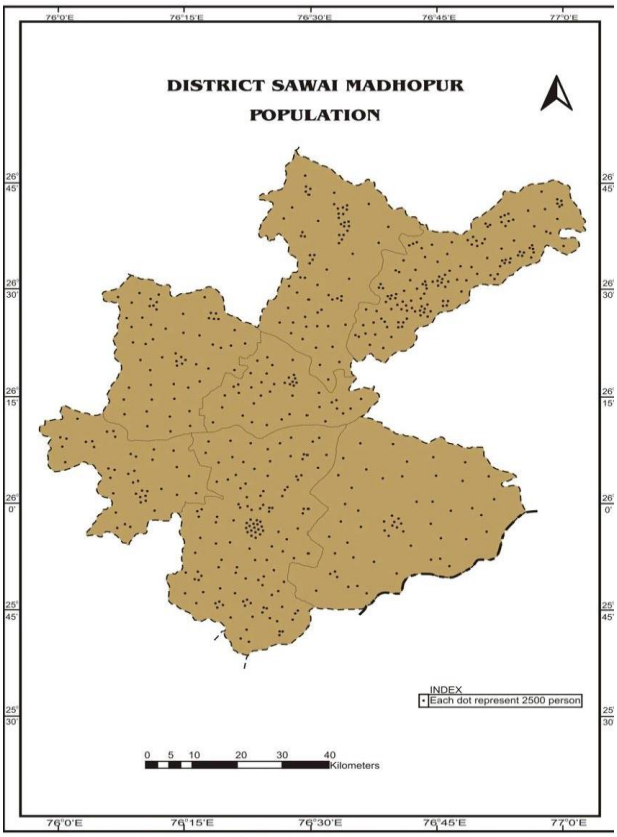

लिंगानुपात

लिंगानुपात से तात्पर्य किसी जनसंख्या में सभी आयु वर्ग के कुल स्त्रियों में पुरुषों का अनुपात है। भारत में लिंगानुपात प्रति हजार पुरुषों पर स्त्रियों की संख्या में व्यक्त किया जाता है। संपूर्ण विश्व में 2011 में लिंगानुपात 986 भारत में 940 राजस्थान के सवाई माधोपुर में 958 है जो कि देश में राज्यों के लिंगनुपात से अधिक है 1941 तक जिले का लिंगानुपात जिला व राज्य दोनों के मध्य था जो उतार–चढ़ाव के साथ बढ़ते हुए वर्तमान में दोनों से अधिक है 2011 का लिंगानुपात जिले के संपूर्ण इतिहास में सर्वाधिक है जो कन्या भ्रूण हत्या के विरुद्ध किए गए राजकीय प्रयासों व साक्षरता दर का परिणाम है ।

सवाई माधोपुर जिले में तहसीलवार लिंगानुपात 2001 से 2011

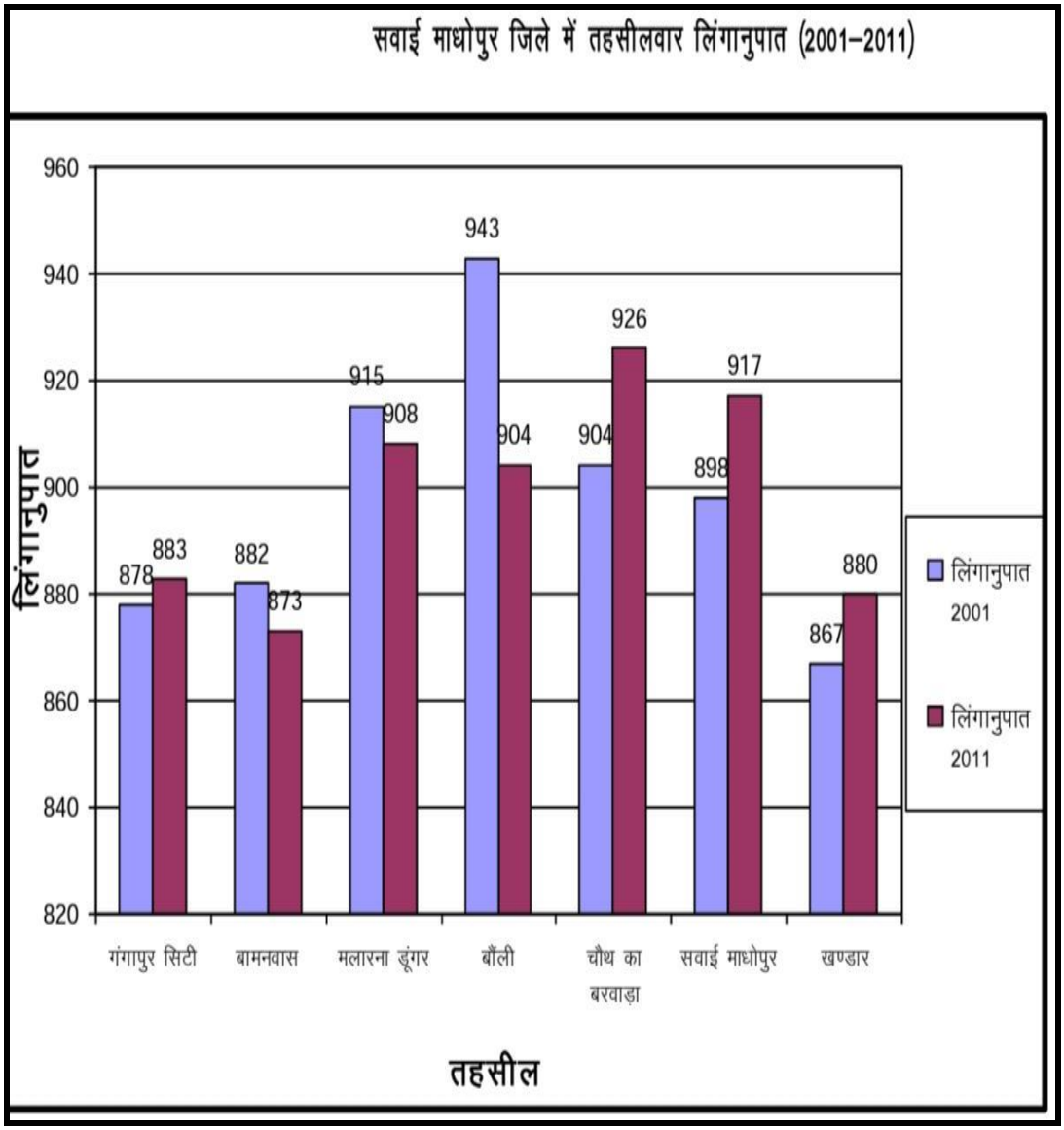

वर्ष 2001 से 2011 की जनगणनाओं का विश्लेषण करने से ज्ञात होता है कि जिले में स्त्रियों की संख्या पुरुषों की संख्या से अधिक या कम रही जिसे तालिका के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है।

क्रम सं.	तहसील	लिंगानुपात प्रति हजार पुरुष		
		लिंगानुपात 2001	लिंगानुपात 2011	अंतर
1	गंगापुर सिटी	878	883	5
2	बामनवास	882	873	–9
3	मलारना डूंगर	915	908	–7
4	बोंली	943	904	–39
5	चौथ का बरवाड़ा	904	926	22
6	सवाई माधोपुर	898	917	19
7	खंडार	867	880	13
	जिला सवाईमाधोपुर	889	897	8

स्रोत :– सांख्यिकी रूपरेखा 2016, आर्थिक सांख्यिकी निदेशालय राजस्थान, जयपुर।

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट है कि सन 2001 से 2011 के स्त्री–पुरुष लिंगानुपात की तुलना करें तो सर्वाधिक वृद्धि चौथ का बरवाड़ा में हुई जो प्रति हजार बाईस है जबकि सबसे कम गंगापुर सिटी तहसील में हुई जो प्रति हजार पांच है । जिले की 2 तहसीलों मलाना डूंगर व चौथ का बरवाड़ा में लिंगनुपात क्रमश : 908 व 926 है, जिले में स्त्रियों के अनुपात में आई वृद्धि से निष्कर्ष निकलता है कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्त्रियों की संख्या बढ़ाने के प्रति जागरूकता आई है तथा राजस्थान में स्त्री भ्रूण हत्या के प्रति बदलाव आया है यह सरकार का महिलाओं के उत्थान तथा शिक्षा के प्रति चिंतन से संभव हुआ और ग्रामीण क्षेत्रों में स्त्रियों के नजरिए में भी बदलाव आया है ।

साक्षरता

किसी भी देश के सामाजिक आर्थिक विकास में शिक्षा का विशेष महत्व है साक्षरता का अर्थ है 7 वर्ष से अधिक आयु का एक व्यक्ति जो कम से कम एक भाषा को समझते हुए लिख व पढ़ सके तथा उस भाषा में अपने विचारों को अभिव्यक्त कर सके। वह व्यक्ति जो केवल लिख सकता हो , पढ़ नहीं सकता अथवा इसके विपरीत हो ,तो वह साक्षर नहीं कहलाएगा।

मानव के सर्वांगीण विकास एवं भोजन व आवास की आवश्यकता में विशेषता के लिए शिक्षा परम आवश्यक है । सामाजिक आर्थिक राजनीतिक स्तर में अपेक्षित सुधार शिक्षा के माध्यम से ही संभव है। शिक्षा समाज में व्याप्त अंधविश्वास, कुरीतियों और बुराइयों को दूर करती है । शिक्षा से ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि उद्योग व सेवाओं को सुदृढ़ आधार मिलता है।

परिणाम स्वरूप देश आर्थिक समृद्धि की ओर अग्रसर होता है, सामाजिक परिवर्तन लाने के लिए शिक्षा मुख्य आधार हैद्य किसी भी जगह की आधारभूत सुविधाओं में शैक्षणिक संस्थानों का प्रथम स्थान है हमारे राज्य की शिक्षा प्रणाली में शिक्षा संस्थानों को प्राथमिक विद्यालय उच्च प्राथमिक विद्यालय,माध्यमिक विद्यालय, उच्च माध्यमिक विद्यालय, महाविद्यालय स्तर पर वर्गीकृत किया गया है।

सन 2001 में राजस्थान में 60.41 प्रतिशत साक्षरता दर के मुकाबले सन 2011 में 66.10 की वृद्धि प्रदर्शित की गई है । इसी तरह से राजस्थान के सवाईमाधोपुर जिले की 2001 की साक्षरता दर 56.67 प्रतिशत के मुकाबले 2011 की साक्षरता दर 65.39 प्रतिशत है , जो 2001 के मुकाबले 8.33 प्रतिशत अधिक है।

सवाई माधोपुर जिले में तहसील वार साक्षरता 2001 से 2011

क्रम सं.	तहसील	साक्षरता दर प्रतिशत में		
		2001	2011	अंतर
1	गंगापुर सिटी	65.5	67.87	4.92
2	बामनवास	58	71.23	12.33
3	मलारना डूंगर	52.40	59.16	6.76
4	बोंली	53.19	64.28	11.09

5	चौथ का बरवाड़ा	51.65	58.94	7.29
6	सवाई माधोपुर	58.64	60.76	2.12
7	खंडार	43.44	61.73	18.29
	जिला सवाईमाधोपुर	56.67	65.39	8.72

स्रोत :– सांख्यिकी रूपरेखा 2016 आर्थिक, सांख्यिकी निदेशालय राजस्थान जयपुर, पृष्ठ संख्या 74

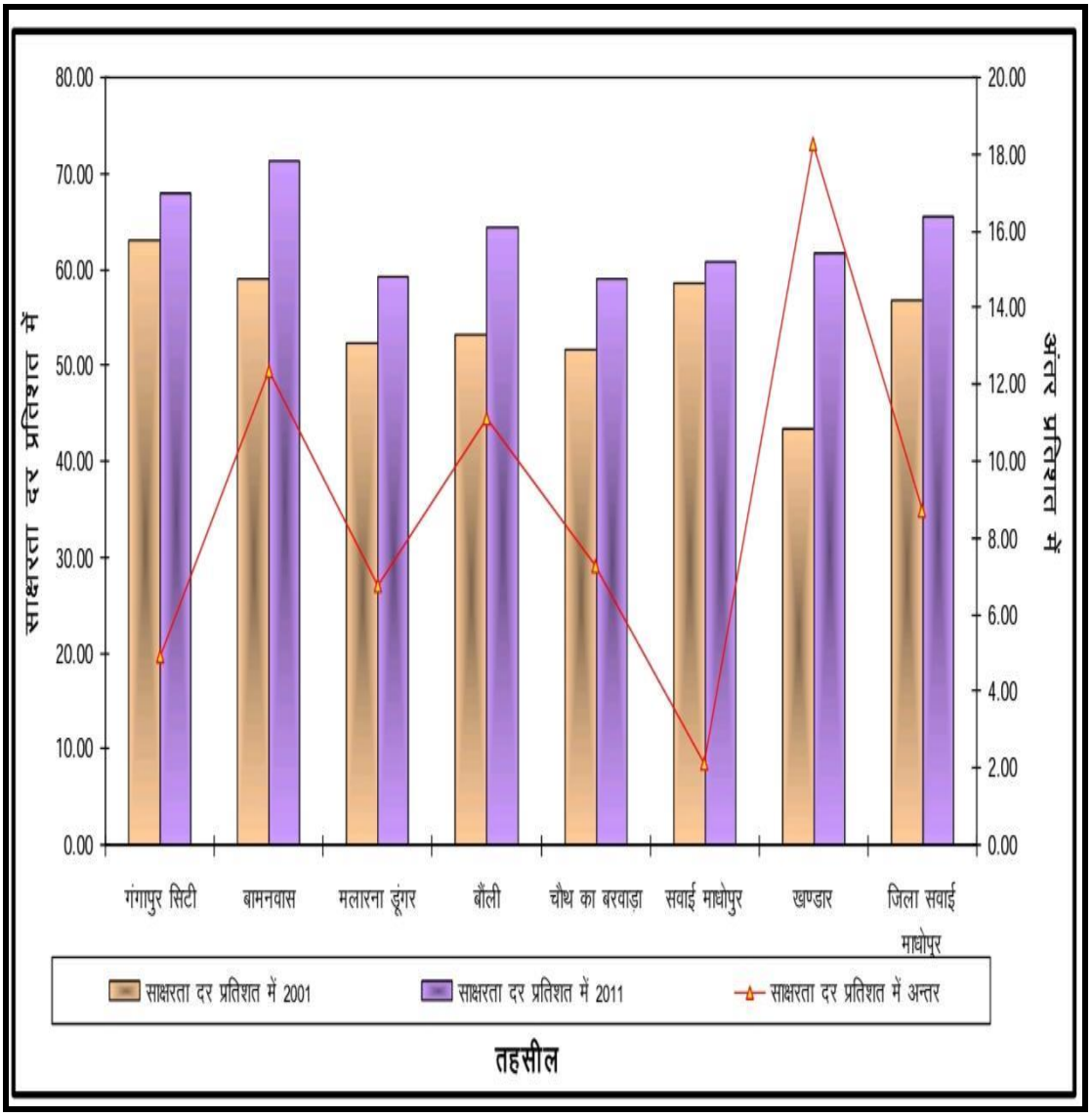

तालिका से स्पष्ट होता है जिले में सर्वाधिक साक्षरता गंगापुर सिटी तहसील व खंडार तहसील में अंकित की गई। पिछले दशक की तुलना में सर्वाधिक वृद्धि खंडर तहसील में अंकित की गई है जबकि बमनवास तहसील में पिछले दशक की तुलना में कम वृद्धि अंकित की गई है। साक्षारता से संबंधित एक अन्य प्रमुख तत्व स्त्री पुरुष साक्षरता भी है ।सवाई माधोपुर में वर्ष 2011 में साक्षरता दर 65.39 प्रतिशत थी जिसमें पुरुष साक्षरता 81. 51 तथा महिला साक्षरता 47. 51 है । जिले में महिलाओं की कमजोर स्थिति को प्रदर्शित किया गया । अगर तहसील स्तर का जायजा लिया जाए तो सर्वाधिक महिला साक्षरता व पुरुष साक्षरता दोनों ही गंगापुर सिटी में दर्ज की गई है।

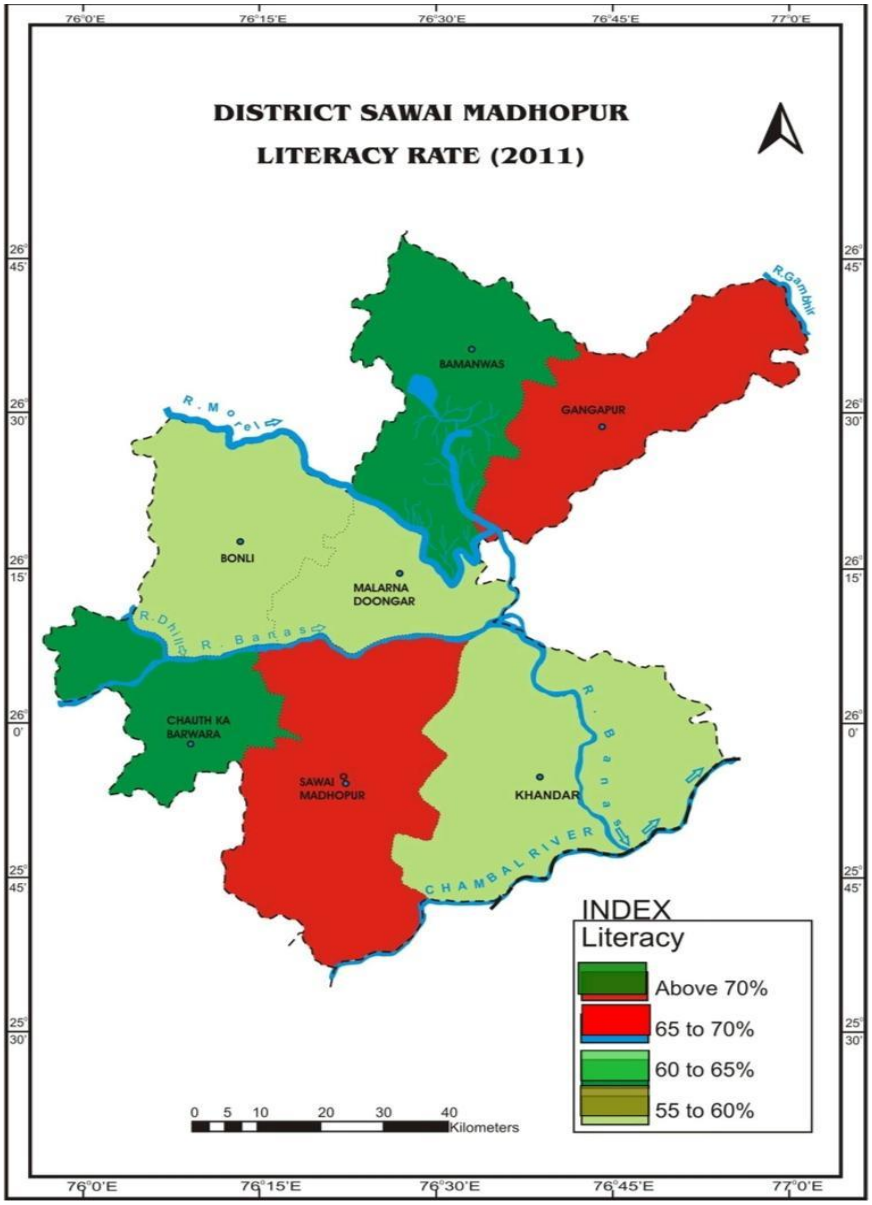

कार्यशील जनसंख्या

कार्यशील जनसंख्या अर्थात जनसंख्या में वे लोग शामिल होते हैं जो काम करने योग्य अथवा काम करने को तैयार होते हैं। इस तरह से इसमें वास्तव में काम करने वाले अथवा काम करने के इच्छुक बेरोजगार दोनों तरह के लोग शामिल किए जाते हैं । आबादी हमारी सबसे बड़ी पूंजी है जनगणना के आंकड़े बताते हैं कि, हमारे संसाधन में युवा और कार्यशील अवधि की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। इसकी दूसरी बड़ी खूबी यह है कि कार्यशील आबादी पर निर्भर बच्चे (0 – 14) वर्ष और बुजुर्ग (65 – 100) वर्ष का अनुपात घटकर 5 प्रतिशत रह गया। दुनिया में सर्वाधिक कार्यशील आबादी का पूरा लाभ तभी संभव है ,जब हाथ और दिमाग कौशल युक्त हो , राजस्थान में इस चिंता को ध्यान में रखते हुए कौशल विकास कार्यक्रम में तेजी दिखाई किसी भी नगर का विकास वहां की जनसंख्या पर निर्भर करता है अगर वहां की जनसंख्या कार्यशील होगी तो वे नगर अधिक आर्थिक विकास में अग्रणी होगा।

इसी तथ्य को दृष्टिगत रखते हुए सवाई माधोपुर की जनगणना 2011 के अनुसार 1335551 है जिसमें कुल पुरुष कार्यशील जनसंख्या 346802 है और महिला कार्यशील जनसंख्या 234266 है। सवाई माधोपुर में कुल जनसंख्या का 46 प्रतिशत कार्यशील व 56 प्रतिशत अकार्यशील जनसंख्या निवास करती है।

ग्रामीण व शहरी जनसंख्या

किसी भी क्षेत्र का विकास वहां पर निवासी करने वाली जनसंख्या पर निर्भर करता है उस क्षेत्र की आर्थिक क्रियाओं से निवासी जनसंख्या का विकास सुनिश्चित होता है। उसी आधार पर ग्रामीण शहरी जनसंख्या का विकास होने लगता है क्षेत्र में निवासी व्यक्तियों की आधारभूत आवश्यकता व कार्य क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं में विभिन्नता दृष्टिगत होती है। इसी कारण ग्रामीण शहरी जनसंख्या की गणना एक महत्वपूर्ण तथ्य है इसी के आधार पर क्षेत्र के विकास की कल्पना की जा सकती है ।

वर्ष 2001 में ग्रामीण जनसंख्या 80.96 प्रतिशत व शहरी 19.04 प्रतिशत थी। जो 2011 में ग्रामीण जनसंख्या 80.5 प्रतिशत व शहरी जनसंख्या 19.95 प्रतिशत हो गई। तहसील सवाई माधोपुर शहर में 2001 में 10744 थी जो बढ़कर 2011 में 38 प्रतिशत हो गई है। वहीं सर्वाधिक ग्रामीण जनसंख्या गंगापुर सिटी में वर्ष 2001 मे 179209 थी जो 2011 में बढ़कर 62 प्रतिशत हो गई है।

कृषि

कृषि मानव जीवन का आधार हें । जिस पर हमारी सभ्यता व संस्कृति की प्रगति पूर्ण रूप से जुड़ी हुई है भारत की अधिकतर जनसंख्या कृषि पर आधारित है किसी भी क्षेत्र के विकास में कृषि का महत्पूर्ण योगदान होता है वहां की अधिकांश जनसंख्या कृषि कार्यों में संलग्न होती है। सवाई माधोपुर भी राज्य का एक ऐसा जिला है, जहां की जनसंख्या रोजगार की दृष्टि से कृषि पर निर्भर है । 2011 में सवाई माधोपुर में कृषि कार्य में लगी जनसंख्या 88133.06 व्यक्ति थे जो कुल जनसंख्या 1335,551 का 6 प्रतिशत है । जिसमें पुरुषों की संख्या 35,931 में महिला कृषकों की संख्या 52,873 थी, जो कुल कार्य शील जनसंख्या का (418555) का 21 प्रतिशत है । सवाई माधोपुर में ग्रामीण क्षेत्र की अधिकांश जनसंख्या कृषि पर निर्भर रहती है, जो कि कुल कार्यशील जनसंख्या का 17.03 प्रतिशत पाई जाती है।

वृद्धि दर

वर्तमान व भविष्य में मानव धरती के बीच संबंधों को व्यवस्थित एवं तुलनात्मक दृष्टि से मापने के लिए जनसंख्या वृद्धि का अध्ययन करना अति आवश्यक है। इसी के साथ जनसंख्या में वृद्धि क्षेत्र के अधिकांश आर्थिक विकास के स्तर को निश्चित करती है। सवाई माधोपुर जिले की जनसंख्या वृद्धि में बीसवीं शताब्दी के दो दशकों को छोड़कर 1991 के जनसंख्या दशक तक वृद्धि हुई है। 2001 के दशक में कमी आई है लेकिन इसका इसका मुख्य कारण जिले का विभाजन होना है ।

सवाई माधोपुर जिले में जनसंख्या वृद्धि दर 2001 से 2011

क्रम सं.	तहसील	जनसंख्या वृद्धि दर प्रतिशत में		
		2001	2011	अंतर
1	गंगापुर सिटी	284605	346614	21.79
2	बामनवास	149429	171648	14.87
3	मलारना डूंगर	89794	105732	17.75
4	बोंली	120039	142741	18.91
5	चौथ का बरवाड़ा	84153	97500	15.86
6	सवाई माधोपुर	278641	334877	20.18
7	खंडार	110396	136439	23.59
	जिला सवाईमाधोपुर	1117057	1335551	19.56

स्रोत :– सांख्यिकी रूपरेखा आर्थिक व सांख्यिकी निदेशालय, राजस्थान,जयपुर।

2001 से 2011 के दौरान जिले की जनसंख्या में क्रमश : 27.55 व 27.86 प्रतिशत की दशकीय वृद्धि हुई है । जिसका मुख्य कारण मृत्यु दर में कमी तथा बीमारियों पर नियंत्रण पाना है । इसके अलावा स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात सेवाओं में वृद्धि होना है ।

2011 की जनसंख्या में 2001 की गणना की अपेक्षा 0.85 प्रतिशत की कमी आई है। इसका मुख्य कारण जन समुदाय का परिवार कल्याण कार्यक्रमों में रुचि लेकर जनसंख्या वृद्धि नियंत्रण में सहयोग देना है तथा दूसरा प्रमुख कारण सवाई माधोपुर में स्थित सीमेंट फैक्ट्री का बंद होना है। जिससे उनमें कार्यशील मजदूर और कर्मचारियों का रोजगार की तलाश में वहां से प्रवजन हैं।

सवाईमाधोपुर तहसील की वृद्धि दर 20.18 प्रतिशत है जबकि यह जिला मुख्यालय भी है। लेकिन इसका कारण यह है कि तहसील का एक हिस्सा अलग कर चौथ का बरवाड़ा तहसील बनाई गई जिले की तहसील बामनवास में सबसे कम वृद्धि 14 .86 प्रतिशत हुई है ।

सवाई माधोपुर जिले का मुख्यालय है परंतु यहां नगरीय जनसंख्या की वृद्धि कम हुई है)जबकि गंगापुर में वृद्धि अधिक हुई है इसका मुख्य कारण राजस्थान की कृषि उपज मंडियों में यह है नगर महत्वपूर्ण स्थान रखता है तथा जिले में शिक्षा का महत्वपूर्ण केंद्र है ।

जिले में कुल ग्रामीण व नगरीय जनसंख्या का प्रतिशत के हिसाब से तहसील वार अध्ययन करें तो जिले में कुल जनसंख्या का सर्वाधिक 24.72 प्रतिशत भाग सवाई माधोपुर तहसील में रहता है ,जबकि सबसे कम 16 प्रतिशत बोंली तहसील में रहता है । जिले कि अन्य तहसील बामनवास ,गंगापुर ,चौथ का बरवाड़ा, मलरना डूंगर में ग्रामीण जनसंख्या का प्रतिशत 14.86, 20.83, 15.80, 23.50, एवं 17.74 है ।

प्राथमिक आंकड़ों का विश्लेषण दर्शाता है कि 2001 से 2011 के दशक की जनसंख्या के बीच नगरी आकर्षण सुविधाओं और मुख्य भोजन संसाधनों में जनसंख्या की सामाजिक एवं स्थानिक विभिन्नता पीड़ादायक एवं भयानक असंतुलन प्रदर्शित करता है। आर्थिक विकास के संबंध में अंतः प्रादेशिक असमानता जिले की कृषि पशुपालन और औद्योगिक विकास से बहुत अधिक मात्रा में प्रभावित होती है।

साथ ही यह विश्लेषण प्रदर्शित करता है कि खाद्य फसलों के अंतर्गत सर्वाधिक क्षेत्र बामनवास तहसील में है ।

यहां तालाबों व ट्यूबवेल से सिंचाई की जाती है। तिलहन फसले प्रधान रूप से सवाई माधोपुर तहसील जबकि दलहन फसलें खंडार तहसील में और नगदी फसलें गंगापुर सिटी तहसील में सर्वाधिक क्षेत्र में बोई जाती है।

दालों और तिलहन का उत्पादन जनसंख्या को पर्याप्त संतुलित आहार उपलब्ध करवा सकता है, गेहूं, चना एवं सरसो जैसी रबी फसलें पर्याप्त उत्पादन नहीं करती है। रासायनिक उर्वरकों और वर्षा पोषित फसलों की सहायता से खाद्यान्नों की गहन कृषि पद्धति उचित उत्पादन दे रही है।

जिले के भविष्य की जनसंख्या को भरपूर रोजगार उपलब्ध करवाने के लिए औद्योगिक विकास को और अधिक बढ़ाना चाहिए । गंगापुर सिटी नगर प्रमुख औद्योगिक केंद्र है , यहां कई उद्योग है। जिले में कई लघु उद्योग एवं कुटीर उद्योग स्थित है जैसे सूती कपड़ा, चमड़ा, खनिज आधारित ,खाद्य उत्पादन, लकड़ी उत्पादन, धातु उत्पादन ,स्पोर्ट्स, पेपर ,रबड़, प्लास्टिक व क्रीम आदि।

जिले के औद्योगिकरण के रास्तों में सबसे बड़ी समस्याएं ऊर्जा व पानी की कमी है । उद्योगों की जलापूर्ति या तो बनास नदी अथवा भूमिगत जल द्वारा पूरी की जाती है जो कि पर्याप्त नहीं है। भूमिगत जल स्तर को ऊंचा उठाने के लिए जल संभर उपायों को अपनाया जाना चाहिए।

जिले में यातायात एवं संचार व्यवस्था की स्थिति उद्योगों के विस्तार के लिए अधिक अनुकूल नहीं हैं । रेलव, सड़क , परिवहन का और अधिक विस्तार किया जाना चाहिए। जिले को राष्ट्र के अधिकाधिक नगरों से रेल मार्ग द्वारा जोड़ा जाना चाहिए साथ ही सड़क मार्गों को चार लेन व छह लेन का बनाया जाना चाहिए ।

निष्कर्ष

यह शोध सुझाव देता है, की वांछित आर्थिक विकास और पारिस्थितिकी पुनर्भरण को सुरक्षित रखने के लिए जिले के नियोजित विकास की आवश्यकता पर बल देता है। जिसे अकेले औद्योगिक विकास द्वारा प्राप्त नहीं किया जा सकता पारिस्थितिकी संतुलन और आर्थिक विकास की रक्षा करने के लिए स्थानीय खनिज संसाधन पद्धति एवं पशुपालन उत्पादन पर आधारित लघु एवं कुटीर उद्योग लगाए जाने चाहिए। वृहद उद्योग जिले में नहीं लगाए जाने चाहिए क्योंकि वह पारिस्थितिकी तंत्र को नष्ट कर सकते हैं। भविष्य के सभी विकास न केवल वर्तमान जनसंख्या बल्कि आगे के वर्षो की जनसंख्या को ध्यान में रखकर किए जाने चाहिए और प्राकृतिक संसाधनों बनाकर रखा जाना चाहिए ।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

1. एकरमैन, ई.ए. – "जनसंख्या के अध्ययन में भूगोल और जनसांख्यिकी"।
2. फिलिप्स और अन्य यूनिवर्सिटी प्रेस शिकागो द्वारा, 1959.
3. चांदना, आर.सी. और सिद्धू, एम.एस.– "जनसंख्या भूगोल का परिचय" कल्याणी पब। नई दिल्ली, 1980.
4. लिपिक जे.आई. "जनसंख्या भूगोल" ऑक्सफोर्ड पेर्गमोन प्रेस, 1984.
5. डेमको जी .जे. "जनसंख्या भूगोल", एक पाठक मैकगोवन हिल बुक न्यूयॉर्क..
6. गोसल जी. .एस. – "जनसंख्या भूगोल" "ए ट्रेंड रिपोर्ट्स ए सर्वे ऑफ रिसर्च इन जियोग्राफी", आईसीएसएसआर नई दिल्ली, 1972.
7. ज़ेलिंस्की, डब्ल्यू.– "द पॉपुलेशन प्रॉस्पेक्टस इन मॉनसून एशिया", भूगोल के सामान्य 60: 312 –321 – 1961.

❖◆❖